शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

पुरस्कृत

चंद्राबाई- शांताप्पा शेंडुरे कॉलेज, हुपरी

भाषा विभाग आयोजित

'The Influence of Social Harmony in English, Hindi and Marathi Modern Literature'

एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

13 अगस्त, 2024

अहवाल

स्वतंत्रता के बाद आधुनिक युग में सामाजिक जीवन विभिन्न आंदोलनों और नीतियों से प्रभावित है। आधुनिक साहित्य गांधीवाद, मार्क्सवाद, नारीवाद और डॉ. आंबेडकर का दर्शन विभिन्न भाषाओं के आधुनिक साहित्य में परिलक्षित होता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमारे महाविद्यालय के आईक्यूएसी एवं भाषा विभाग द्वारा मंगलवार 13 अगस्त, 2024 को संबंधित विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों और छात्रों के बीच बौद्धिक चर्चा और विचारों के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना था। उपस्थित शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने समाज की बदलती नीति के अनुरूप सामाजिक समरसता प्राप्त करने के लिए दिनभर विचार-विमर्श किया।

एक दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन और बीजभाषक सन्माननीय प्रधानाचार्य आनंद मेणसे (बेलगाम, कर्नाटक) द्वारा किया गया। उनके भाषण से दिन भर चले संगोष्ठी का सूत्रपात हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ आलोचक मा.प्रो.(डॉ.)अर्जुन चव्हाण थे | कार्यक्रम का स्वागत एवं परिचय प्रो. मारुफ़ मुजावर द्वारा किया | हिंदी विभाग के अध्यक्ष एवं प्र. प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) डी. आर. भोसले जी ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रस्तुत सत्र का प्रो. (डॉ.) विजयजी पाडळकर ने धन्यवाद ज्ञापन किया |

प्रथम सत्र के मार्गदर्शक एवं विषय विशेषज्ञ मा.प्रो.(डॉ.) सी.ए.लंगरेजी अंग्रेजी विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर द्वारा अंग्रेजी साहित्य के बारे में अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। स्वागत एवं परिचय IQAC समन्वयक एवं अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. देवल तुळशीकट्टी द्वारा किया गया। प्रस्तुत सत्र का प्रो. सौरभ कांबले जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया |

द्वितीय सत्र में मार्गदर्शक एवं विषय विशेषज्ञ मा. प्रो. एकनाथ पाटील मराठी विभाग अध्यक्ष कर्मवीर भाऊराव पाटिल कॉलेज, इस्लामपुर ने मराठी भाषा में सामाजिक समरसता के साथ-साथ अंग्रेजी

और हिंदी में साहित्य के विभिन्न संदर्भ दिए | प्रस्तुत सत्र का स्वागत एवं परिचय मराठी विभागाध्यक्ष प्रो. बाळासाहब जाधव ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एम. एल. सोनटक्के ने किया।

संगोष्ठी के तृतीय सत्र में मार्गदर्शक एवं विषय विशेषज्ञ मा. प्रो.(डॉ.) अशोकजी बाचुळकर, हिंदी विभाग अध्यक्ष, आजरा महाविद्यालय, आजरा ने आधुनिक हिंदी साहित्य में चित्रित सामाजिक सदभाव पर एक व्यावहारिक और गहन चर्चा की। सत्र का स्वागत एवं परिचय हिंदी के असोसिएट प्रोफेसर मारूफजी मुजावर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एस.आय बरालेजी ने किया |

चतुर्थ सत्र में विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रतिभागीयों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। महाविद्यालय के प्र.प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) डी. आर. भोसलेजी के उपस्थिति में समापन समारोह संपन्न हुआ। प्रस्तुत संगोष्ठी में विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोध छात्र और प्रोफेसरों के साथ-साथ महाविद्यालय के छात्र भी उपस्थित थे। संगोष्ठी की सफलता के लिए महाविद्यालय के भाषा विभाग के सभी प्रोफेसर एवं कार्यालय कर्मियों ने कड़ी मेहनत की।

Outcomes

- आधुनिक हिंदी साहित्य में चित्रित सामाजिक सदभाव से छात्रों को अवगत करना।
- समाज की बदलती नीति के अनुरूप सामाजिक समरसता प्राप्त करना।

Beneficiaries

53

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष मा.प्रो.(डॉ.)अर्जुन चव्हाण अपने विचार व्यक्त करते हुए

उपस्थित प्रतिभागी

Chandrabai-Shantappa Shendure College, Hupari

Principal,
Chandrabai-Shantappa Shendure College,
Hupari